अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2024) दिनांक : 18.12.2024

समय सीमा : 3 घंटा द्वितीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

तेरापंथ का इतिहास–70

प्र. 1 किन्हीं पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए– 15

आचार्य रायचंदजी (किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) आचार्य रायचंदजी आचार्य होने के बाद और साधु अवस्था में किन उपनामों से जाने जाते थे?

(ख) ऋषिराय की दीक्षा के बाद स्वामी भीखणजी कितने वर्षों तक रहे? उतने समय में कितने भाई-बहनों की दीक्षाएं हुई?

(ग) 'यहां आने पर ही फरमा देते तो अच्छा रहता' यह बात किसने, कहां व किस संदर्भ में कही?

(घ) चित्तौड़ निवासी हंसराजजी संचेती ने 'युवाचार्य-पद' के संदर्भ में आचार्य भारमलजी से क्या कहा?

(ड़) 'अत्युग्रपुण्य पापानामिहैव लभते फलम्'–इस उक्ति का अर्थ बताएं।

(च) पुरूषोत्तमदासजी पारख द्वारा समझाए कितने भाई और कहां तेरापंथी बने?

(छ) ऋषिराय के समय कितने साधु-साध्वियों बहिर्गत हुए?

आचार्य जीतमलजी (किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दें)

(ज) जयाचार्य की बुआ का नाम क्या था तथा उन्होंने स्वामीजी के पास दीक्षा कब ग्रहण की?

(झ) बालक जीतमल का प्राथमिक तत्त्वज्ञान क्या था और उस समय उनकी आयु क्या थी?

(ञ) 'मेरी भावना का आम बारह वर्षों से आज फलीभूत हुआ है' ये शब्द किसने किससे कहे?

(ट) मुनि जीतमलजी की अद्वितीय श्रम-सिक्त भेंट क्या थी और वह कितने पत्रों में लिखी गई थी?

(ठ) सं. 1889 के शेष काल में मुनि जीतमलजी आदि कितने मुनियों ने गुजरात की ओर प्रस्थान किया था?

(ड) गण-तत्ति विप्पमुक्को का अर्थ क्या है?

(ढ) तपस्वी गुलाबजी ने घटा-बढ़ा कर कितनी शंकाएं निश्चित की थी तथा अंत में मुनि हेमराजजी से अपनी कितनी शंकाओं का समाधान मांगा?

(ण) बीकानेर चातुर्मास में वहां के कितने व कौन से परिवार तेरापंथी बने?

(त) जयाचार्य ने सं. 1914 से सं 1937 तक चरम महोत्सव के उपलक्ष्य में कुल कितनी ढालों की रचना की थी?

(थ) श्वेताम्बर परम्परा में आगमों की कौन-कौन सी संख्या मानी जाती है?

(द) मुनि जुहारजी शौच से सूर्यास्त के बाद लौटे–इस दोष के लिए उन्हें क्या प्रायश्चित मिला व किसके द्वारा मिला?

(ध) जयाचार्य ने मुनि सतीदासजी का जीवन चरित्र किस नाम से बनाया तथा उन्हें किस नाम से पुकारते थे?

(न) वृद्धावस्था के प्रारंभ में जयाचार्य के नेत्रों में हुई गड़बड़ी का आयुर्वेदिक उपचार कब और कहां हुआ?

प्र. 2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 10

आचार्य रायचंदजी (किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) मुनि रायचंदजी के समर्पण व विनीत भाव ने उनको उच्चतम पद तक पहुंचा दिया–ईड़वा की घटना प्रसंग द्वारा इसका विवेचन करें।

(ख) सामूहिक पत्र में गोगूंदा के कितने श्रावकों के हस्ताक्षर थे तथा उन्होंने युवाचार्यजी को क्या उपालंभ दिया?

(ग) आपको पट्ट से नीचे उतर कर वंदन कर लेना चाहिए था–मुनि जीतमलजी के कहने पर आचार्य ऋषिराय ने अपनी भावना किस प्रकार व्यक्त की?

आचार्य जीतमलजी (किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें)

(घ) 'मेरी और आपकी मान्यताओं में बहुत अंतर है' माहेश्वरी कृष्णचंदजी के ऐसा कहने पर जयाचार्य ने क्या उत्तर दिया?

(ड़) जयाचार्य के 'संस्मरण साधना व उपदेश' की संख्याएं कितनी है?

(च) अकेले साधु अथवा साध्वी को अकेले स्त्री या पुरूष से बात नहीं करनी चाहिए–इसके लिए जयाचार्य ने तीसरे व्यक्ति की अधिकतम दूरी के लिए क्या मर्यादा बनाई?

प्र. 3 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 10

(क) मुनि अमीचंदजी को गुरू की आशातना का प्रत्यक्ष दंड भोगना पड़ा–घटना प्रसंग लिखें।

(ख) आचार्य रायचंदजी की 'कच्छ-यात्रा' के बारे में लिखें।

(ग) ऋषिराय की शारीरिक स्थिति का वर्णन करते हुए उनके अन्तिम विहार को लिखें।

प्र. 4 सं. 1897 की आमेट की घटना लिखें जब आमेट निवासी युवाचार्यजी की आज्ञाकारिता और आचार्यश्री की कृतालुता से गद्‌गद् हो गये। 5

अथवा

'धड़ा व्यवस्था' पर टिप्पणी लिखें।

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें– 30

(क) जयाचार्य की महान योजनाओं के अंतर्गत 'सम्मुच्चय के कार्य व साझ के कार्यों' पर प्रकाश डालें।

(ख) दंड लेने के लिए आये हुए की झोली वरदान से भर दी–संबंधित घटनाक्रम लिखें।

(ग) मेरे प्रति जो वात्सल्य दिखाया-मैं आजीवन आभारी हो गया हूं–इस पंक्ति को सिद्ध करते हुए मुनि 'छोगजी के आक्रोश' घटना को लिखें।

प्र. 6 किन्हीं दो पद्यों को भावार्थ सहित लिखें– 12

(क) 'विद्या के प्रांगण' वाला पद्य।

(ख) 'टोला रा टालोकरा' वाला पद्य।

(ग) 'निशदिन ध्याउं मोद मनाउं' वाला पद्य।

(घ) प्रभो! यह तेरापंथ महान' गीत वाला पद्य।

प्र. 7 किन्हीं तीन पद्यों की पूर्ति करें– 9

(क) कहै देव.....उधारहो।

(ख) 'रूं-रूं में सांवरियों' गीत वाला पद्य।

(ग) उणपच्चास संत.....शानदार हो।

(घ) आगम-सम्पादन.....हृद्योद्गार हो।

(ड़) सातम-आठम.....उद्गार हो।

प्र. 8 कोई तीन पद्य लिखें– 9

(क) निर्मल निर्मायी.....वाला पद्य।

(ख) 'जागृत धर्म हमारा' गीत वाला पद्य।

(ग) 'लोग लगास्यूं लार हो' वाला पद्य।

(घ) 'भिक्खू दृष्टांत' वाला पद्य।

(ड़) पोषण जठै.....अनिवार से।